

पाठ १

नववर्ष

बिना लिखित शब्दों के अचलिक्षण
पूँज

कोशु - कीमल

चिरेन। प्रसाद करता, सीधा करता

देहेन - उंची - मधुक

प्राचीन। लगाड़ा करना।

भट्टक।
प्रसरण।

द्विनयुक्त - पूरा भूल
पूँज बिना लिखित शब्दों के सामने तुफान होता है।